

ट्रिपल मर्डर के बाद पुलिस महकमे में बड़ा एक्शन, सआदतगंज थाना प्रभारी और चौकी प्रभारी निलंबित

(जीएनएस)।

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ के सआदतगंज थाना क्षेत्र के ब्राह्मणी टोला के पास लाल स्कूल नौबस्ता में कार पार्किंग व बरगद का पेड़ की बाउंड्री पूजा स्थल की बाउंड्री कार्य को लेकर हुआ बड़ा विवाद को लेकर हुई फायरिंग में तीन लोगों की मौत के मामले में पुलिस कमिश्नर तरुण गाबा ने सख्त कार्रवाई करी है। घटना की गंभीरता को देखते हुए थाना प्रभारी निरीक्षक संतोष कुमार आर्य और कश्मीरी मोहल्ला चौकी प्रभारी उपनिरीक्षक अजय कुमार चौरसिया को तत्काल प्रभाव से



निलंबित कर दिया गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, 26 अक्टूबर 2026 को कार पार्किंग को लेकर हुए

बाद पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया। वहीं पुलिस ने मामले में फायरिंग के आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी के कब्जे से घटना में इस्तेमाल की गई पिस्टल और चार खोखा कारतूस बरामद किए गए हैं। गिरफ्तार आरोपी को न्यायालय के समक्ष पेश कर न्यायिक अभिरक्षा में भेजने की कार्रवाई की जा रही है। तीन लोगों की मौत के मामले में थाना प्रभारी और चौकी प्रभारी पर गिरी गाज से पुलिस कमिश्नर तरुण गाबा के निर्देश पर हुई इस कार्रवाई के बाद मामले में आगे की वैधानिक कार्रवाई जारी है

बाराबंकी: मसौली थाने के उपनिरीक्षक मो0 राशिद खान बने इंस्पेक्टर, एसपी ने कंधों पर लगाए स्टार

वी आर द फ्यूचर मोहित हिंदू जिला संवाददाता

मसौली बाराबंकी। थाना मसौली में तैनात उपनिरीक्षक मो0 राशिद खान को पदोन्नति देकर निरीक्षक बनाया गया है। उनकी सेवाओं, कर्तव्यनिष्ठा और अनुभव को देखते हुए शासन ने यह फैसला लिया है। इस खबर से पुलिस विभाग और क्षेत्र के लोगों में खुशी फैल गई।

पुलिस कार्यालय में हुए एक कार्यक्रम के दौरान पुलिस अधीक्षक रवीना त्यागी, अपर पुलिस अधीक्षक रितेश कुमार सिंह, क्षेत्राधिकारी रामनगर गरिमा पंथ ने मो0 राशिद

खान के कंधे पर स्टार लगाकर उन्हें बधाई दी। अधिकारियों ने उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए उम्मीद जताई कि वह नई जिम्मेदारी

गन्ना क्रय केंद्र बदलने के विरोध में किसानों का प्रदर्शन, एसडीएम को सौंपा ज्ञापन

19 वर्षों से डालमिया मिल से जुड़ा है खनंका क्रय केंद्र, सात दिन में समाधान न होने पर धरने की चेतावनी

वी आर द फ्यूचर संवाददाता पीलीभीत

बीसलपुर (पीलीभीत)। गन्ना क्रय केंद्र को डालमिया चीनी मिल, निगोही (शाहजहांपुर) से हटकर बीसलपुर चीनी मिल से संबद्ध किए जाने के विरोध में सोमवार को खनंका, उच्चसिया समेत चार गांवों के गन्ना किसानों ने तहसील मुख्यालय पर प्रदर्शन किया। किसानों ने नारेबाजी करते हुए जिलाधिकारी के नाम संबोधित ज्ञापन एसडीएम को दिया और क्रय केंद्र को पूर्व की व्यवस्था के अनुसार डालमिया चीनी मिल से ही संबद्ध रखने की मांग की।

किसानों का कहना है कि खनंका गन्ना क्रय केंद्र पिछले 19 वर्षों से डालमिया चीनी मिल, निगोही से जुड़ा हुआ है। इस मिल से उन्हें समय पर भुगतान मिलता रहा है, जिससे किसान संतुष्ट हैं। किसानों ने आरोप लगाया कि बीसलपुर चीनी मिल के भुगतान और पेराई संबंधी रिकॉर्ड को लेकर वे संतुष्ट नहीं हैं। ऐसे में क्रय केंद्र को बीसलपुर चीनी मिल से संबद्ध किए

जाने का निर्णय उनके हितों के विपरीत है।

किसानों ने चेतावनी दी कि यदि सात दिनों के भीतर समस्या का

ज्ञापन में किसानों ने आदेश संख्या 942, दिनांक 19 अक्टूबर 2026 का हवाला देते हुए कहा कि क्रय केंद्र के संबंध में किया गया बदलाव वर्ष 1954 के नियम-22 और प्राकृतिक न्याय के सिद्धांतों के अनुरूप नहीं है। किसानों का आरोप है कि इस निर्णय को लागू करने से पहले उनकी बात नहीं सुनी गई। उन्होंने जनहित में खनंका क्रय केंद्र को यथावत डालमिया चीनी मिल, निगोही से संबद्ध रखने की मांग की।

समाधान नहीं किया गया तो वे धरना-प्रदर्शन करने को मजबूर होंगे। एसडीएम ने किसानों को उनकी समस्या का समाधान कराने का आश्वासन दिया।

प्रदर्शन कर ज्ञापन देने वालों में शराफत अली, हुकुम सिंह, लालाराम, गया प्रसाद, राजेंद्र सिंह, सुरेंद्र सिंह, सोमवीर सिंह, गयादीन, अमित कुमार सिंह, महेश लाल, सुनीश चंद्र, वीरपाल, महेश कुमार मिश्रा, अनूप सिंह, गंगा प्रकाश, सुरेंद्र कुमार,

जयदेव, ममता देवी, अभिषेक त्रिगुणायत, रामेश्वर, बलराम और भगवानदीन सहित अन्य किसान शामिल रहे।

बंथरा में 13 वर्षीय किशोरी को बहला-फुसलाकर ले जाने का आरोपी गिरफ्तार

लखनऊ, बंथरा थाना क्षेत्र में 13 वर्षीय किशोरी को बहला-फुसलाकर ले जाने के मामले में पुलिस ने 20 वर्षीय आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी की पहचान मोहित के रूप में हुई है। पुलिस ने उसके खिलाफ भारतीय न्याय संहिता और पाँक्सो अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर अधिकार कार्रवाई शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार, 20 अक्टूबर को किशोरी के परिजनों की शिकायत पर बंथरा थाने में मुकदमा दर्ज किया गया था। आरोप था कि मोहित किशोरी को बहला-फुसलाकर अपने साथ ले गया था। मामले की गंभीरता को देखते हुए आरोपी की गिरफ्तारी के लिए पुलिस की दो टीमों गठित की गई थीं। पुलिस टीमों ने तकनीकी साक्ष्यों, स्थानीय सूचना तंत्र और अन्य उपलब्ध जानकारी के आधार पर कार्रवाई करते हुए 27 अक्टूबर को आरोपी को गिरफ्तार कर लिया।

सरदार वल्लभभाई पटेल प्रतिमा का अनावरण 31 को, भाजपा नेता अखिलेश चौधरी विक्की ने दिया 51 हजार का योगदान

(जीएनएस)।

बस्ती। रूथौली विधानसभा क्षेत्र के दसिया-महानुआ मार्ग स्थित ग्राम मुडबरा में लौह पुरुष भारत रत्न सरदार वल्लभभाई पटेल की प्रतिमा का अनावरण 31 अक्टूबर शनिवार को किया जाएगा। ग्राम प्रधान शिवेन्द्र चौधरी के नेतृत्व में आयोजित होने वाले इस कार्यक्रम की तैयारियां जोर-शोर से चल रही हैं। कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए भाजपा नेता अखिलेश चौधरी विक्की ने प्रतिमा स्थापना और आयोजन के लिए 51 हजार रुपये का आर्थिक सहयोग प्रदान किया है। कार्यक्रम की तैयारियों का जायजा लेने के लिए भाजपा नेता अखिलेश चौधरी विक्की मौके पर पहुंचे। उन्होंने आयोजन से जुड़े लोगों के साथ व्यवस्थाओं को लेकर चर्चा की और कार्यक्रम को भव्य रूप देने में अपना सहयोग दिया। इस अवसर पर अखिलेश चौधरी विक्की ने कहा

कि लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की प्रतिमा लोगों को उनके विचारों, आदर्शों और राष्ट्र के प्रति समर्पण से प्रेरित करेगी। सरदार पटेल ने देश की एकता और अखंडता को मजबूत करने में ऐतिहासिक भूमिका निभाई थी। उनके विचार आज भी समाज को एकजुट रहने और राष्ट्रहित में कार्य करने की प्रेरणा देते हैं। कार्यक्रम के आयोजक ग्राम प्रधान शिवेन्द्र चौधरी ने कहा कि सरदार वल्लभभाई पटेल की प्रतिमा अनावरण उनके अतुलनीय योगदान और राष्ट्र निर्माण में उनकी ऐतिहासिक भूमिका को स्मरण करने के उद्देश्य से किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि इस आयोजन के माध्यम से लोगों को सरदार पटेल के विचारों से जोड़ने और समाज में एकता का संदेश देने का प्रयास किया जाएगा। प्रतिमा अनावरण कार्यक्रम को लेकर गांव में तैयारियां जारी हैं। आयोजकों की ओर

से लोगों से कार्यक्रम में सहभागिता की अपील की जा रही है। अमित चौधरी, संजय चौधरी, अंकित चौधरी, त्रिलोकी नाथ चौधरी, राजू चौधरी, तिलकराम विश्वकर्मा, अनिल शर्मा,

पाटन दिन धर्मेन्द्र कनौजिया, रंजीत चौधरी, राजेंद्र यादव सहित अनेक लोग कार्यक्रम की सफलता के लिये निरन्तर सक्रिय हैं।

अमौसी क्षेत्र के डूडा कॉलोनी के एक ही आवास पर दो दावों के बीच कनेक्शन जारी करने पर सवालिया निशान

आवंटन पत्र कमलेश देवी वाल्मीकि के नाम, उसी परिसर में सरिता के नाम बिजली कनेक्शन जारी होने का आरोप

(जीएनएस)।

लखनऊ। मध्यांचल विद्युत वितरण निगम के अमौसी जोन की डूडा कॉलोनी में बिजली कनेक्शन जारी करने की प्रक्रिया पर सवाल उठ रहे हैं। मामला आवास संख्या 129/12 से जुड़ा है, जहां कांशीराम शहरी गरीब आवास योजना के तहत आवंटन पत्र श्रीमती कमलेश देवी वाल्मीकि, पत्नी रमेश वाल्मीकि के नाम होने की जानकारी सामने आई है। आरोप है कि इसी परिसर पर सरिता, पत्नी राज बहादुर विश्वकर्मा के नाम भी नया बिजली कनेक्शन जारी कर दिया गया। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार, सरिता के नाम जारी कनेक्शन का खाता संख्या 3690629231 है। ऐसे में सवाल उठता है कि जब संबंधित आवास का आवंटन पत्र कमलेश देवी वाल्मीकि के नाम बताया जा रहा है, तो उसी आवास संख्या पर दूसरे व्यक्ति के नाम कनेक्शन जारी करने से पहले

विभागीय अधिकारियों ने किन दस्तावेजों का सत्यापन किया किस आधार पर जारी हुआ नया कनेक्शन? इस मामले में जांच का प्रमुख बिंदु यह है कि कनेक्शन के लिए आवेदन करते समय सरिता ने कौन-कौन से

किसी निष्कर्ष पर पहुंचने के बजाय यह जांचना आवश्यक है कि वर्तमान कब्जा किसके पास है और कनेक्शन जारी करने के लिए प्रस्तुत दस्तावेज नियमानुसार स्वीकार्य थे या नहीं नियमों के पालन पर उठे सवाल,

दस्तावेज लगाए थे। क्या विभागीय अधिकारियों ने आवंटन पत्र, परिसर पर कब्जे और आवेदक के अधिकार से संबंधित अभिलेखों की जांच की थी? यदि जांच हुई, तो उसका रिकॉर्ड क्या कहता है बताया जा रहा है कि संबंधित उपभोक्ता ने मकान अपने नाम होने की बात कही है। ऐसे में आवंटन पत्र और उपभोक्ता के दावे के बीच स्थिति स्पष्ट करने के लिए दस्तावेजों का मिलान जरूरी है। केवल आवंटन पत्र के आधार पर

जिम्मेदारी किसकी? डूडा कॉलोनी में कनेक्शन जारी करने की प्रक्रिया को लेकर उठे सवालों ने अमौसी जोन के संबंधित अधिकारियों की भूमिका को जांच के दायरे में ला दिया है। यदि आवेदक के अधिकार और परिसर से जुड़े अभिलेखों का समुचित सत्यापन किए बिना कनेक्शन जारी किया गया है, तो यह विभागीय प्रक्रिया की गंभीर चूक हो सकती है। हालांकि, इसकी पुष्टि दस्तावेजों और विभागीय जांच के बाद ही हो सकेगी। अब सवाल यह

भी है कि कनेक्शन जारी करने वाले अवर अभियंता और अन्य संबंधित अधिकारियों ने क्या जांच की थी? आवेदन पर किस अधिकारी ने संस्तुति दी और कनेक्शन को किस आधार पर मंजूरी मिली? मामले में विभाग से मांग है आवास संख्या 129/12 के आवंटन पत्र, कब्जे से संबंधित दस्तावेजों, कनेक्शन आवेदन और विभागीय सत्यापन रिपोर्ट की निष्पक्ष जांच कराई जाए। यदि किसी स्तर पर नियमों का उल्लंघन सामने आता है, तो जिम्मेदार अधिकारियों और संबंधित पक्ष के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जाए। साथ ही, जांच के दौरान यह भी स्पष्ट किया जाना चाहिए कि बिजली कनेक्शन के संबंध में दोनों पक्षों के दावों का निस्तारण किस प्रक्रिया के तहत होगा। बिना जांच के मीटर हटाने या किसी पक्ष को दोषी ठहराने के बजाय विभाग को अभिलेखों के आधार पर निर्णय लेना चाहिए। अब निगाहें अमौसी जोन के अधिकारियों पर हैं कि वे इस मामले के निष्पक्ष जांच कर वास्तविक स्थिति सामने लाते हैं या आवास आवंटन और बिजली कनेक्शन से जुड़े इन सवालों का जवाब लंबित रहता है।

हरदोई में प्रथम आगमन पर भाजपा पिछड़ा वर्ग मोर्चा ने किया भव्य स्वागत

(जीएनएस)।

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ क्षेत्र के जनपद हरदोई में प्रथम आगमन पर भाजपा पिछड़ा वर्ग मोर्चा के प्रदेश महामंत्री डॉ ऋषि चौंसिया दादा और भाजपा ओबीसी मोर्चा के जिलाध्यक्ष प्रिय भाई साहब दिनेश पाल के भाजपा पिछड़ा वर्ग मोर्चा के जिलाध्यक्ष बनने के बाद प्रथम आगमन पर हरदोई में एम॰डी पैलेश सीतापुर रोड पर भारतीय जनता

पाटी पिछड़ा वर्ग मोर्चा नगर अध्यक्ष शाहाबाद नगर दीपकमल राठौर ने अपनी पूरी नगर टीम भाजपा ओबीसी मोर्चा के साथ जोरदार स्वागत किया।

बीसलपुर विधानसभा क्षेत्र में 28 मार्गों की विशेष मरम्मत को शासन की मंजूरी, सड़कों के सुधार के लिए लाखों रुपये का बजट स्वीकृत

(जीएनएस)।

पीलीभीत), बीसलपुर विधानसभा क्षेत्र में जर्जर सड़कों की हालत सुधारने के लिए शासन ने 28 मार्गों की विशेष मरम्मत को मंजूरी दी है। वित्तीय वर्ष 2026-27 के तहत लोक निर्माण विभाग की ओर से विभिन्न मार्गों की मरम्मत के लिए धनराशि स्वीकृत की गई है। इससे ग्रामीण क्षेत्रों में आवागमन की सुविधा बेहतर होने और लोगों को खराब सड़कों से राहत मिलने की उम्मीद है।

लोक निर्माण विभाग के प्रमुख

अभियंता की ओर से 21 अक्टूबर 2026 को जारी आदेश में क्षेत्र के विभिन्न मार्गों को शामिल किया गया है। इनमें गोवल-पतीपुरा संपर्क मार्ग, शिवपुर नवदिया तथा पकड़िया मंगली से ढकिया महक मार्ग समेत अन्य संपर्क मार्गों की विशेष मरम्मत के कार्य शामिल हैं।

विभागीय आदेश के अनुसार, गोवल-पतीपुरा संपर्क मार्ग को मरम्मत के लिए 13.21 लाख रुपये, पीलीभीत-बीसलपुर मार्ग से अर्जुनपुर मार्ग के लिए 9.58 लाख रुपये और

बीसलपुर-दियोरिया कला मार्ग की विशेष मरम्मत के लिए 7.06 लाख रुपये आवंटित किए गए हैं। इसके अलावा क्षेत्र के अन्य मार्गों की मरम्मत के लिए भी अलग-अलग धनराशि स्वीकृत की गई है।

इन मार्गों से प्रतिदिन बड़ी संख्या में ग्रामीण, किसान और अन्य राहगीर आवागमन करते हैं। सड़कों की हालत खराब होने से लोगों को आने-जाने में परेशानी का सामना करना पड़ता है। विशेष मरम्मत के कार्य पूरे होने के बाद क्षेत्र के लोगों को

आवागमन में सहूलियत मिलने की उम्मीद है।

शासन से मंजूरी मिलने के बाद अब लोक निर्माण विभाग के सामने स्वीकृत कार्यों को निर्धारित मानकों के अनुसार पूरा कराने की जिम्मेदारी होगी। मरम्मत कार्यों में गुणवत्ता बनाए रखने और सरकारी धनराशि का नियमानुसार उपयोग सुनिश्चित करना भी जरूरी होगा। बीसलपुर विधानसभा क्षेत्र के 28 मार्गों को मंजूरी मिलने से सड़क सुधार की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

सूचना अधिकार से जानकारी मांगा तो प्रधान के भतीजे ने मारा पीटा, डीएम, एसपी से लगाया न्याय की गुहार

बस्ती। रूथौली थाना क्षेत्र के मूड़ाडीहा निवासी प्रवीन चौधरी पुत्र दिनेश कुमार ने मंगलवार को

जिलाधिकारी और पुलिस अधीक्षक को पत्र देकर दोषियों के विरुद्ध कार्रवाई की मांग किया है। डीएम

और एसपी को दिये पत्र में प्रवीन चौधरी ने कहा है कि उन्होंने रूथौली विकास खण्ड क्षेत्र के मूड़ाडीहा उर्फ

नेशनल हाईवे-730सी पर पिकअप की टक्कर से भैंस की मौत

उगनपुर मरौरी के पास हुआ हादसा, भैंस मालिक को 55 हजार रुपये की आर्थिक सहायता (जीएनएस)।

बीसलपुर (पीलीभीत)। तहसील बीसलपुर क्षेत्र के ग्राम उगनपुर मरौरी के पास नेशनल हाईवे-730सी पर भैंसों के झुंड में शामिल एक भैंस की बोलेरो पिकअप की टक्कर से मौत हो गई। हादसे के बाद दोनों पक्षों के बीच गांव के संप्रदात लोगों की मौजूदगी में आपसी सहमति से मामला निपटा लिया गया। भैंस के मालिक को आर्थिक क्षतिपूर्ति के रूप में 55 हजार रुपये दिए गए।

जानकारी के अनुसार, ग्राम उगनपुर मरौरी की ओर से भैंसों का झुंड बीसलपुर की तरफ जा रहा था। इसी दौरान अचानक एक भैंस का संतुलन बिगड़ गया और वह बीसलपुर की ओर से आ रही पार्सल बोलेरी बोलेरो पिकअप की चपेट में आ गई। वाहन संख्या यूपी 21 सीटी 7446 को जिला शाहजहांपुर के खुदागंज थाना क्षेत्र के ग्राम होशीपुर निवासी अजीत सिंह पुत्र ऋषिपाल

सिंह चला रहे थे। टक्कर लगने से भैंस की मौत हो गई।

हादसे के बाद दोनों पक्षों के बीच बातचीत हुई। गांव के संप्रदात लोगों की मौजूदगी में पिकअप चालक की ओर से भैंस मालिक लालाराम पुत्र केदारनाथ को आर्थिक सहयोग के रूप में 55 हजार रुपये का भुगतान किया गया। इसके बाद दोनों पक्षों ने

आपसी सहमति से समझौता कर लिया।

दोनों पक्षों की ओर से लिखित सहमति देते हुए भविष्य में इस मामले को लेकर एक-दूसरे के खिलाफ कोई कानूनी कार्रवाई न करने की बात कही गई। इस तरह आपसी बातचीत और सहमति के आधार पर मामले का निस्तारण कर लिया गया।

भोपालपुर के ग्राम प्रधान अखिलेश कुमार द्वारा कराये गये विकास कार्यों के सूचना अधिकार से जानकारी मांगा था। उन्होंने विकास कार्यों के जांच की मांग भी सम्बंधित अधिकारियों से किया था। इसे लेकर ग्राम प्रधान अखिलेश कुमार, उनके परिजन काफी नाराज थे। गत 26 अक्टूबर को प्रवीन चौधरी जब हनुमानगंज से वापस अपने गांव पुत्री प्रशंसा, पुत्र प्रतीक, एंजल के साथ जा रहे थे तो रंजिश को लेकर गांव के ही ग्राम प्रधान अखिलेश कुमार के भतीजे राजकुमार पुत्र विनोद ने ठोकर मार दिया। इससे वह बच्चों को लेकर गिर पड़े और उन्हें और बच्चों को चोटें आयी। शिकायत करने पर राजकुमार, यशपाल व विजय पाल ने प्रवीन चौधरी को यह कहकर मारा पीटा कि प्रधान की जांच कराओगे। आस पास के लोगों के आ जाने से उनकी जान बची।प्रवीन चौधरी ने मामले की सूचना रूथौली थाने पर देकर दोषियों के विरुद्ध मुकदमा दर्ज करने का आग्रह किया किन्तु पुलिस ने अभी तक उसे दर्ज नहीं किया। प्रवीन चौधरी ने मांग किया है कि दोषियों के विरुद्ध मुकदमा पंजीकृत कर उनके परिवार के जान माल की रक्षा कराया जाय।

PRGI No.: UPHIN/25/A1698 Published & Owned by RAGINI JIGNESHKUMAR VAGHELA and Printed By SUSHILA SHUKLA at Krishna Printiers, 271/31 Chakmaki Dugawa, Rajendranagar, Lucknow-226018, Uttar Pradesh.

and Published from 538 GHA/85 Pataurganj, Near Janki Prasad Dharmshala, Sitapur Road, Niralanagar, Lucknow-226020, Uttar Pradesh. Editor : VINOD KUMARI

Regd.Office : B/13, Sneha Plaza Shopping Center, I.O.C. Road, Chandkheda, Ahmedabad - 382 424 Gujarat,India. Phone : (o) 7698333307 (M) 7096333307

Email:navsarjansanskriti2016@gmail.com-navsarjansanskriti2016@yahoo.com+Website : www.navsarjansanskriti.com

सम्पादकीय

डिजिटल स्वतंत्रता की आड़ में बचपन को अपराध की गिरफ्त में!

भारत को अब तय करना होगा कि वह बच्चों के हाथों में केवल स्मार्टफोन देना चाहता है या उन्हें स्मार्ट, विवेकशील और जिम्मेदार नागरिक भी बनाना चाहता है। डिजिटल स्वतंत्रता की आड़ में बचपन को अपराध की गिरफ्त में जाने देना अक्षय्य लापरवाही है। जिस राष्ट्र को अपने भविष्य की चिंता है उसे बच्चों की डिजिटल सुरक्षा को राष्ट्रीय प्राथमिकता बनाना ही होगा। आज ठोस निर्णय लेने में चूके, तो कल अपराध की गिरफ्त में पंसी पीढ़ी को देखकर पछताने के सिवा कुछ शेष नहीं रहेगा। पिछले कुछ समय से समाचार पत्र एक गंभीर चिंतनशील विषय की ओर इशारा कर रहे हैं। जिस उम्र में बच्चों के हाथों में किताबें होनी चाहिए, उस उम्र में उनका नाम हत्या, लूट, नशे और संगठित अपराध जैसी घटनाओं से जुड़ना केवल सामाजिक चिंता नहीं, राष्ट्रीय चेतावनी है। सेलिब्रिटी की हत्या के प्रयास से लेकर आपराधिक गिरोहों की गतिविधियों तक, नाबालिगों की कथित संलिप्तता के मामले समाज को झकझोरते हैं। अतः इस प्रश्न से मुँह नहीं मोड़ा जा सकता कि आखिर बचपन अपराध की दुनिया की ओर क्यों खिंच रहा है? चरित्र निर्माण की उम्र हिसा, नशे और अपराध के आकर्षण में क्यों उलझ रही है? इसे कुछ बिगड़े बच्चों का मामला मानकर छोड़ देना उस संकट को छोटा समझना है, जिसकी कीमत पूरा समाज चुका सकता है। बच्चे जन्म से अपराधी नहीं होते। परिवार की उपेक्षा, गलत संगति, हिंसक परिवेश, नशे की उपलब्धता, आर्थिक लालच और शीघ्र प्रसिद्धि पाने की चाह उनके भटकाव का कारण बन सकते हैं। आज इन जोखिमों को बढ़ाने वाला एक माध्यम घर की चारदीवारी तक पहुँच चुका है और वह है सोशल मीडिया। यहाँ हिसा लोकप्रियता का साधन बन सकती है, अपराधी आकर्षक चेहरे बनाकर पेश किए जा सकते हैं और वायरल होने की चाह खतरनाक हरकतों को बढ़ावा दे सकती है। जब आभासी दुनिया की स्वीवृति वास्तविक जीवन में हिंसक व्यवहार को प्रभावित करने लगे, तब इसे मनोरंजन कहकर टालना आत्मघाती भूल है। कोरोना महामारी के बाद ऑनलाइन शिक्षा का वित्तार हुआ। विद्यालयों ने मोबाइल पर गृहकार्य और अध्ययन सामग्री देना शुरू किया। पढ़ाई के लिए हाथ में आया उपकरण धीरे-धीरे मनोरंजन और सोशल मीडिया का प्रवेशद्वार बन गया। आज अभिभावक चाहकर भी बच्चों को मोबाइल से पूरी तरह दूर नहीं रख सकते। पढ़ाई की आवश्यकता अपनी जगह है, लेकिन क्या इसके नाम पर बच्चे को अनिर्घत्रित डिजिटल संसार के हवाले कर देना अनिवार्य है? मोबाइल पर गृहकार्य देना सरल हो सकता है, पर उसके दुष्प्रभावों की जिम्मेदारी से विद्यालय और व्यवस्था मु्त नहीं हो सकते। तकनीक सुविधा देती है, विवेक का स्थान नहीं लेती। समस्या केवल सौन पर बिताए गए समय की नहीं, बल्कि उस सामग्री, संपर्व और मानसिक प्रभाव की भी है, जो बच्चों को अपरिपक्व अवस्था में प्रभावित करते हैं। आपराधिक गिरोह आसान पैसे का लालच देकर किशोरों को अपने काम में लगा सकते हैं। धमकी, ब्लैकमेल और ऑनलाइन मित्रता के माध्यम से उनका शोषण हो सकता है। लाइक, फॉलोअर और वायरल होने की होड़ उन्हें जोखिम भरे व्यवहार की ओर धकेल सकती है। जब अपराध का रास्ता मोबाइल की सीन से होकर घर तक पहुँच जाए, तब सुरक्षा की जिम्मेदारी केवल माता-पिता के सीमित नियंत्रण पर नहीं छोड़ी जा सकती। डिजिटल मंचों की तकनीकी शक्ति जितनी बड़ी है, उनकी जवाबदेही भी उतनी ही बड़ी होनी चाहिए। भारत की परिस्थितियाँ इस संकट को और गंभीर बनाती हैं। विशाल जनसंख्या, सामाजिक- आर्थिक विषमता और डिजिटल साक्षरता की कमी के बीच करोड़ों बच्चे इंटरनेट का उपयोग कर रहे हैं। अनेक अभिभावक ऑनलाइन सुरक्षा के तरीकों से परिचित नहीं हैं। कई विद्यालयों में प्रशिक्षित परामर्शदाताओं और डिजिटल सुरक्षा संबंधी पर्याप्त संसाधनों का अभाव है। ऐसे में हर परिवार से अकेले अपने बच्चे को डिजिटल खतरों से बचाने की अपेक्षा करना समस्या से बचने का सुविधाजनक तर्क है। जब तकनीक देश के कोने-कोने तक पहुँचाने में व्यवस्था सफल है, तो बच्चों की सुरक्षा के उपाय पहुँचाने में वही तत्परता क्यों नहीं दिखाई देती? नशे की समस्या इस संकट को और विकराल बनाती है।

प्रताप का ट्रेलर रिलीज: एनकाउंटर स्पेशलिस्ट से कैदी बने अमित साध, बदल गई पूरी दुनिया, हो गया सब उलट-पुलट

(जीएनएस)। मुंबई क्या होता है जब जिंदगी भर अपराधियों को सलाखों के पीछे पहुंचाने वाला एक पुलिस अधिकारी खुद कानून के शिकंजे में फंस जाता है? अमित साध और ईशा देओल स्टारर आगामी एक्शन ड्रामा फिल्म 'प्रताप'के मेकर्स ने फिल्म का ट्रेलर रिलीज कर दिया है।

ट्रेलर में एक जांबाज और सम्मानित एनकाउंटर स्पेशलिस्ट की जिंदगी में आए उस असाधारण मोड़ की झलक देखने को मिलती है, जो उसकी पूरी दुनिया बदलकर रख देता है। फिल्म में अमित साध प्रताप नाम के एक पुलिस अधिकारी की भूमिका निभा रहे हैं, जिसकी जिंदगी उस वक्त पूरी तरह बदल जाती है, जब वह खुद सलाखों के पीछे पहुंच जाता है। ट्रेलर में उसके अतीत और वर्तमान के बीच की कहानी दिखाई गई है, जो कई सवाल खड़े करती है। आखिर किन परिस्थितियों में प्रताप को जेल जाना पड़ता है और अब उसके सामने कौन-सी चुनौतियां आती हैं? दमदार टक्कर, एक्शन से भरपूर सीक्वेंस और अप्रत्याशित घटनाक्रम ट्रेलर को दिलचस्प बनाते हैं। कभी कानून की रक्षा करने वाला यह अधिकारी अब खुद अपनी लड़ाई लड़ता नजर आ रहा है।

फिल्म में ईशा देओल और उनके साथ कई अनुभवी कलाकार भी अहम भूमिकाओं में दिखाई दे रहे हैं। अपने किरदार के बारे में बात करते हुए अमित साध कहते हैं, 'प्रताप कोई पारंपरिक पुलिसवाले की कहानी नहीं है। यही वजह है कि मुझे इस किरदार को आगे ले आकर्षित किया। यह एक ऐसे इंसान की कहानी है, जिसने अपनी पूरी जिंदगी कानून लागू करने में बिताई, लेकिन एक दिन खुद कानून के दूसरी तरफ खड़ा हो जाता है।

इस किरदार के भीतर कई भावनाएं और विरोधाभास हैं, जिन्हें

निभाना एक अभिनेता के तौर पर मेरे लिए दिलचस्प था। ट्रेलर आपको उसकी दुनिया की एक झलक देता है, लेकिन उसकी कहानी में अभी बहुत कुछ ऐसा है, जो पर्दे पर सामने आना

एक ऐसे इंसान की कहानी कहना चाहता था, जिसकी जिंदगी उस वक्त पूरी तरह बदल जाती है, जब वह खुद को ऐसी परिस्थिति में पाता है, जिसकी उसने कभी कल्पना भी नहीं की थी।



बाकी है। वहीं, ईशा देओल कहती हैं, मुझे 'प्रताप'इ की कहानी की सबसे खास बात यह लगी कि यह ऊपर से जितनी सीधी-सादी दिखाई देती है, असल में उतनी है नहीं।

इसकी कहानी में कई परतें हैं और जैसे-जैसे घटनाएं आगे बढ़ती हैं, आप किरदारों और उनकी परिस्थितियों को एक अलग नजरिए से देखने लगते हैं। अमित और सचिन के साथ काम करना एक शानदार अनुभव रहा। मैं चाहती हूँ कि दर्शक फिल्म देखें और जानें कि इसमें उनके लिए क्या खास है। फिल्म के लेखक-निर्देशक सचिन साध कहते हैं, 'इप्रताप'के जरिए मैं

यह फिल्म फैसलों, उनके नतीजों और सही-गलत के बीच की बारीक रेखा की कहानी है। हमने एक्शन और भावनाओं को कहानी की जरूरत के मुताबिक रखते हुए इसे वास्तविकता के करीब दिखाने की कोशिश की है। ट्रेलर तो बस उस कहानी की शुरूआत है, जो फिल्म में आगे खुलकर सामने आएगी। निमार्ता प्रदीप रंगवानी कहते हैं, 'इप्रताप'इ ऐसी फिल्म है, जिसे बनाने में हमने बहुत मेहनत की है और जिस पर हमें पूरा विश्वास है।

शुरूआत से ही हमें सचिन के विजन और उनकी कहानी पर भरोसा था। अमित ने अपने किरदार में गहराई

लाई है और फिल्म में अनुभवी कलाकारों की शानदार टीम भी है, जो इसकी कहानी को और मनबूबत बनाती है। हमें खुशी है कि आखिरकार हम दर्शकों के साथ फिल्म का ट्रेलर साझा कर रहे हैं। अब हम 20 नवंबर को 'प्रताप'इ को सिनेमाघरों में लाने के लिए उत्साहित हैं। सचिन सराफ द्वारा लिखित और निर्देशित 'प्रताप'इ में अमित साध और ईशा देओल के अलावा सीमा बिस्वास, तिमांशु भुलिया और मिलिंद गुणाजी भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे। प्रदीप रंगवानी द्वारा निर्मित और यूवी फिल्मस् द्वारा प्रस्तुत यह फिल्म 20 नवंबर, 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

पहले डर लगा कि क्या हम इस लायक हैं, सीता-राम की भूमिका पर साई पल्लवी और रणबीर कपूर

(जीएनएस)। अभिनेता रणबीर कपूर और साई पल्लवी इन दिनों फिल्म 'रामायण' को लेकर चर्चा में हैं। रणबीर फिल्म में जहां भगवान राम का किरदार निभा रहे हैं, वहीं साई पल्लवी माता सीता की भूमिका में हैं। दोनों फिल्म के प्रमोशन के लिए अमिताभ बच्चन के विवश शो 'कौन बनेगा करोड़पति' के दीपावली स्पेशल एपिसोड में शामिल हुए। इस दौरान अपने किरदार को लेकर दोनों कलाकारों ने बताया कि यह उनके लिए बहुत बड़ी जिम्मेदारी है। शो के दौरान रणबीर ने भगवान राम का किरदार मिलने के बाद अपने मन में चल रहे विचारों और इस भूमिका की तैयारी के सफर के बारे में बात की। उन्होंने अमिताभ बच्चन को बताया, "जब मुझे यह रोल ऑफर हुआ, तो मैं जानता था कि यह सिर्फ एक रोल नहीं है, बल्कि बहुत बड़ी जिम्मेदारी है। मेरा पहला रिएक्शन डर था। मुझे लगा कि क्या मैं इस किरदार के लायक हूँ, क्या मैं इसे निभा पाऊंगा? भगवान श्रीराम से करोड़ों

इसके अतिरिक्त, मनोभ्रंश (डिमेंशिया) पर केंद्रित एक अलग घटक में चार महीने के दौरान 200 मरीजों की जांच कर उन्हें आयुर्वेद आधारित औषधियां प्रदान की गई।

'हरियाणा राज्य के फरीदाबाद जिले की वृद्ध आबादी में शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य संवर्धन के लिए सामुदायिक आयुर्वेद हस्तक्षेप'इ शीर्षक वाली इस परियोजना का उद्देश्य सामुदायिक स्तर पर आयुर्वेद आधारित उपचार को संभावनाओं का अध्ययन करना और स्वस्थ वृद्धावस्था को बढ़ावा देने के उपायों का आकलन करना था।

बुजुर्गों में स्वास्थ्य संबंधी कई चुनौतियां आईं सामने

परियोजना के प्रारंभिक आकलन

शारीरिक निष्क्रियता और 6.85 प्रतिशत में संज्ञानात्मक क्षमता में कमी दर्ज की गई। इसके अलावा, कई बुजुर्गों में उच्च रक्तचाप, रक्त शर्करा का बढ़ा हुआ स्तर, अस्थि खनिज घनत्व में कमी, कब्ज और नींद संबंधी समस्याएं भी पाई गईं। परियोजना के पहले चरण में 60 दिनों तक किए गए हस्तक्षेप के बाद जीवन गुणवत्ता के आकलन में सुधार दर्ज किया गया। विश्व स्वास्थ्य संगठन के जीवन गुणवत्ता मूल्यांकन के अनुसार, प्रतिभागियों का कुल औसत अंक 292.0 से बढ़कर 326.3 हो गया। आयुर्वेद में पाचन एवं चयापचय क्षमता के आकलन से संबंधित अग्निबल के सभी छह मानकों में भी सुधार देखा गया।

में भी सुधार

परियोजना के दूसरे चरण में संज्ञानात्मक स्वास्थ्य पर विशेष ध्यान दिया गया। इसके अंतर्गत मिनी मेंटल स्टेट एंजामिनेशन (एमएमएसई) के अंकों में सामान्य स्तर की ओर बदलाव देखा गया। वहीं, छह-सीआईटी आकलन में भी संज्ञानात्मक प्रदर्शन में सुधार के संकेत मिले। इस चरण में जीवन गुणवत्ता का औसत अंक 277.4 से बढ़कर 364.2 दर्ज किया गया। इसके अतिरिक्त, सेरोटोनिन, एसिटाइलकोलीन, डीएचईए और विटामिन-डी जैसे जैविक संकेतकों के स्तरों में भी सुधार पाया गया। विशेषज्ञों के अनुसार, ये निष्कर्ष बुजुर्गों के स्वास्थ्य संवर्धन में

नेतन्याहू के राजनीतिक भविष्य के लिए अहम इजरायली चुनाव

यहूदी बस्तियों से जुड़े मुद्दों और हिंसा की आलोचना की है। उन्होंने नेतन्याहू की राजनीतिक रणनीति पर भी सवाल उठाए हैं। वहीं, नेतन्याहू के समर्थक उनके लंबे राजनीतिक अनुभव और सुरक्षा मामलों में सख्त रुख को उनकी प्रमुख ताकत बताते हैं।



आइजेनकोट ने पश्चिमी तट क्षेत्र में

आयुर्वेदिक उपचार से बुजुर्गों के शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य में सुधार के उत्साहजनक संकेत

फरीदाबाद में 5,594 बुजुर्गों की हुई स्वास्थ्य जांच, जीवन गुणवत्ता और अस्थि खनिज घनत्व में भी दर्ज हुआ सुधार

नई दिल्ली, अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान (एआईआईए), नई दिल्ली की ओर से हरियाणा के फरीदाबाद जिले में बुजुर्गों के शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य को बेहतर बनाने के उद्देश्य से संचालित सामुदायिक आयुर्वेद परियोजना के उत्साहजनक परिणाम सामने आए हैं। परियोजना के निष्कर्षों के अनुसार, आयुर्वेद आधारित हस्तक्षेप के बाद बुजुर्गों की जीवन गुणवत्ता, पाचन एवं चयापचय क्षमता और अस्थि खनिज

घनत्व में सुधार दर्ज किया गया। इसके साथ ही संज्ञानात्मक स्वास्थ्य से जुड़े आकलनों तथा कुछ जैविक संकेतकों में भी सकारात्मक बदलाव देखे गए।

इन निष्कर्षों को 24 अक्टूबर को अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान में आयोजित एक कार्यशाला में प्रस्तुत किया गया। इस अवसर पर परियोजना की रिपोर्ट विशेषज्ञ समिति को सौंपी गई।

5,594 बुजुर्गों की हुई स्वास्थ्य जांच

संस्थान की जन-स्वास्थ्य पहल के अंतर्गत तीन महीने के दौरान फरीदाबाद जिले में 60 से 80 वर्ष

आयु वर्ग के 5,594 बुजुर्गों की स्वास्थ्य जांच की गई। कार्यक्रम के तहत जरूरत के अनुसार उन्हें आयुर्वेदिक औषधियां भी दी गईं।

में बुजुर्गों के स्वास्थ्य से जुड़ी कई समस्याएं सामने आईं। जांच में 67.73 प्रतिशत प्रतिभागियों में दृष्टि संबंधी समस्याएं, 43.05 प्रतिशत में

इसके साथ ही अस्थि खनिज घनत्व में भी सकारात्मक बदलाव दर्ज किया गया। संज्ञानात्मक स्वास्थ्य के आकलन



संबंध, क्षेत्रीय सुरक्षा और विदेश नीति भी महत्वपूर्ण विषय बने हुए हैं।

नई सरकार के गठन के बाद इन मुद्दों पर इजरायल के रुख में क्या बदलाव आएगा, यह चुनाव परिणाम और गठबंधन की शर्तों पर निर्भर करेगा। इसके अलावा, क्षेत्रीय संघर्षों और ईरान के साथ तनाव से निपटने की रणनीति भी नई सरकार के सामने बड़ी चुनौती होगी।

इजरायल की बहुदलीय चुनाव प्रणाली में मतगणना के बाद सरकार बनाने के लिए राजनीतिक दलों के बीच बातचीत महत्वपूर्ण होती है। यदि कोई दल या गठबंधन 61 सीटों का समर्थन जुटाने में सफल नहीं होता, तो सरकार गठन की प्रक्रिया जटिल हो सकती है। ऐसी स्थिति में नए गठबंधन बनाने के प्रयास और राजनीतिक बातचीत निर्णायक साबित हो सकते हैं।

नेतन्याहू के लिए यह चुनाव उनके नेतृत्व, सुरक्षा नीति और राजनीतिक भविष्य को लेकर मतदाताओं के रुख का महत्वपूर्ण संकेत माना जा रहा है। हालांकि, उनकी सत्ता में वापसी होगी या विपक्ष सरकार बनाने में सफल रहेगा, इसका फैसला आधिकारिक चुनाव परिणाम और उसके बाद होने वाली गठबंधन प्रक्रिया से ही स्पष्ट होगा।

आयु वर्ग के 5,594 बुजुर्गों की स्वास्थ्य जांच की गई। कार्यक्रम के तहत जरूरत के अनुसार उन्हें आयुर्वेदिक औषधियां भी दी गईं।

में बुजुर्गों के स्वास्थ्य से जुड़ी कई समस्याएं सामने आईं। जांच में 67.73 प्रतिशत प्रतिभागियों में दृष्टि संबंधी समस्याएं, 43.05 प्रतिशत में

इसके साथ ही अस्थि खनिज घनत्व में भी सकारात्मक बदलाव दर्ज किया गया। संज्ञानात्मक स्वास्थ्य के आकलन

सामुदायिक स्तर पर आयुर्वेद आधारित हस्तक्षेपों की संभावित उपयोगिता को समझने के लिए महत्वपूर्ण है। हालांकि, इन परिणामों की पुष्टि और उपचार की प्रभावशीलता का आकलन करने के लिए विस्तृत वैज्ञानिक अध्ययन, निरंतर सुरक्षा निगरानी और आगे के अनुसंधान की आवश्यकता बनी हुई है।

विशेषज्ञों ने स्वस्थ वृद्धावस्था पर दिया जोर

कार्यशाला में आयुष मंत्रालय के सलाहकार डॉ. कौस्तुभ उपाध्याय मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान के निदेशक प्रो. (वैद्य) प्रदीप कुमार प्रजापति ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की।

डॉ. कौस्तुभ उपाध्याय ने कहा कि बुजुर्गों की आवश्यकताओं को बेहतर ढंग से समझने के लिए उनके साथ सार्थक सामाजिक जुड़ाव आवश्यक है। उन्होंने वृद्धजनों की शारीरिक और मानसिक गतिविधियों में सक्रिय भागीदारी के लिए प्रोत्साहित करने पर जोर दिया। साथ ही, बेहतर स्वास्थ्य परिणामों के लिए इस प्रकार की जन-स्वास्थ्य पहलों में अधिक निवेश की आवश्यकता भी रेखांकित की।

प्रो. (वैद्य) प्रदीप कुमार प्रजापति ने जन-स्वास्थ्य पहल से जुड़ी टीम के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि सामुदायिक स्तर पर आयुर्वेद आधारित स्वास्थ्य सेवाओं के अनुभवों का व्यवस्थित अध्ययन और उनके निष्कर्षों का व्यापक प्रसार जरूरी है। उन्होंने ऐसी पहलों को अधिक से अधिक वृद्धजनों तक पहुंचाने पर भी बल दिया। स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने साझा किए विचार

कार्यशाला में मौलाना आजाद मेडिकल कॉलेज, नई दिल्ली के सामुदायिक चिकित्सा विभाग की अध्यक्ष एवं निदेशक प्रोफेसर डॉ. सुनीला गर्ग, सीएसआईआर-राष्ट्रीय विज्ञान संचार एवं नीति अनुसंधान संस्थान के वरिष्ठ प्रधान वैज्ञानिक डॉ. सुमन राय तथा डॉ. राम मनोहर लोहिया अस्पताल के मनोचिकित्सा विभाग के प्रोफेसर डॉ. लोकेश सिंह शेखावत ने भी अपने विचार रखे।

इस अवसर पर 'होलिस्टिक अप्रोच फॉर हेल्दी एंजिंग'इ पुस्तक का विमोचन किया गया। कार्यक्रम में प्रो. (डॉ.) मंजूषा राजगोपाल, डीन (डीयू); प्रो. (डॉ.) महेश व्यास, डीन (पीएचडी); प्रो. (डॉ.) आर. के. यादव, डीन (पीजी); तथा प्रो. (डॉ.) योगेश बडवे, चिकित्सा अधीक्षक सहित संस्थान के अन्य संकाय सदस्य उपस्थित रहे।

उल्लेखनीय है कि अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान, नई दिल्ली, आयुष मंत्रालय के अधीन एक स्वायत्त संस्थान है। यह संस्थान आयुर्वेद के क्षेत्र में शिक्षा, अनुसंधान, नैदानिक सेवाओं और जन-स्वास्थ्य पहलों के माध्यम से कार्य करता है।

प्रधानमंत्री जी के नेतृत्व में डबल इंजन सरकार विरासत के सम्मान, विकास और गरीब कल्याण के संकल्प के साथ कार्य कर रही : मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री ने कानपुर में बिल्हौर व बिदूर विधानसभा क्षेत्रों की 411 करोड़ ₹0 से अधिक लागत की 48 विकास परियोजनाओं का लोकार्पण एवं शिलान्यास किया
महर्षि वाल्मीकि की तपोभूमि बिदूर आध्यात्मिक, सांस्कृतिक और ऐतिहासिक विरासत की अमूल्य धरोहर
डबल इंजन सरकार अपनी विरासत पर गौरव की अनुभूति करती, भारतभूमि, सनातन धर्म तथा महापुरुषों के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करना अपना दायित्व मानती

बिदूर की ऐतिहासिक और आध्यात्मिक विरासत को भी नया स्वरूप दिया जा रहा
गत वर्ष इस पावन तिथि पर अवकाश घोषित करने के साथ प्रदेश के देव मन्दिरों में अखण्ड रामायण पाठ की जो श्रृंखला प्रारम्भ की गई, वह आज प्रदेश भर के हजारों मठ-मन्दिरों में आयोजित की जा रही

महर्षि वाल्मीकि के जीवन से हमें यह शिक्षा मिलती है कि मनुष्य अपने कर्मों से महान बनता

बिदूर की महता केवल धार्मिक दृष्टि से ही नहीं, बल्कि ऐतिहासिक दृष्टि से भी अद्वितीय
कानपुर में मेट्रो रेल की सुविधा उपलब्ध, कानपुर के नागरिकों और जनप्रतिनिधियों की मांग पर हवाई अड्डे की सुविधा को आगे बढ़ाया गया
कानपुर को लखनऊ से जोड़ने के लिए नए एक्सप्रेस-वे की सुविधा उपलब्ध, गंगा नदी पर ट्रांस गंगा क्षेत्र में नए पुल के निर्माण को स्वीकृति देकर कार्य आगे बढ़ाया गया
बिदूर एवं बिल्हौर विधानसभा

राम नाम के स्मरण से मिलती है आत्मिक शांति : अंजनी शरण जी महाराज

श्रीराम कथा के दूसरे दिन उमड़े श्रद्धालु, ब्रज क्षेत्र के अध्यक्ष पूरनलाल लोधी ने की सहभागिता वी आर द फ्यूचर संवाददाता पीलीभीत वीसलपुर (पीलीभीत)।
नूरानपुर आश्रम में चल रही नौ दिवसीय श्रीराम कथा के दूसरे दिन श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी। कथा व्यास पूज्य अंजनी शरण जी महाराज ने भगवान श्रीराम के नाम की महिमा का वर्णन करते हुए कहा कि राम नाम का स्मरण मनुष्य को आत्मिक शांति प्रदान करता है और उसके जीवन को धन्य बना देता है। कथा के दौरान पूरा आश्रम परिसर भक्तिमय वातावरण में सराबोर रहा।

श्रीराम कथा में ब्रज क्षेत्र के क्षेत्रीय अध्यक्ष पूरनलाल लोधी ने पहुंचकर सहभागिता की। वहीं, नगर पालिका परिषद की चेयरमैन शशि जायसवाल और उनके पति अमन जायसवाल ने यजमान के रूप में भाग लिया।

कथा व्यास अंजनी शरण जी महाराज ने कहा कि राम नाम की महिमा अनंत और अपरंपार है। प्रभु के नाम का स्मरण करने मात्र से मनुष्य

क्षेत्रों में विकास कार्यों को नई गति दी जा रही, रामायण सर्किट के माध्यम से बिदूर की पहचान को विस्तार मिल रहा
उज्ज्वला योजना के अन्तर्गत प्रदेश में लगभग दो करोड़ लाभार्थियों को रसोई गैस कनेक्शन उपलब्ध
दीपावली के अवसर पर उज्ज्वला योजना के पात्र लाभार्थियों को पुनः एक-एक नि:शुल्क गैस सिलेंडर उपलब्ध कराया जाएगा (जीएनएस)।

लखनऊ : उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में डबल इंजन सरकार विरासत के सम्मान, विकास और गरीब कल्याण के संकल्प के साथ कार्य कर रही है। अयोध्या में श्रीराम जन्मभूमि पर भव्य मन्दिर का निर्माण, काशी विश्वनाथ धाम का पुनर्विकास, माँ विन्ध्यवासिनी धाम का सुन्दरीकरण, मथुरा-वृन्दावन का विकास, चित्रकूट धाम का पुनरुद्धार और प्रयागराज में दिव्य-भव्य महाकुम्भ का आयोजन इसी संकल्प के उदाहरण हैं। अब बिदूर की ऐतिहासिक और आध्यात्मिक विरासत को भी नया स्वरूप दिया जा रहा है। यहां घाटों का निर्माण एवं पुनरुद्धार, महर्षि वाल्मीकि आश्रम का सुन्दरीकरण, ब्रह्मावर्त घाट का विकास तथा स्वतंत्रता संग्राम के महानायकों से जुड़े स्मारकों के विकास हेतु कार्य किए जा रहे हैं।

मुख्यमंत्री जी आज कानपुर नगर में बिल्हौर और बिदूर विधानसभा क्षेत्रों की 411 करोड़ रुपये से अधिक लागत की 48 विकास परियोजनाओं का लोकार्पण एवं शिलान्यास करने के पश्चात आयोजित कार्यक्रम में अपने विचार व्यक्त कर रहे थे। इस अवसर पर मुख्यमंत्री जी ने विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं के लाभार्थियों की प्रमाण पत्र आदि प्रदान

किये तथा विभिन्न विभागों द्वारा लगायी गयी प्रदर्शनी का अवलोकन किया।



इसके पूर्व, मुख्यमंत्री जी ने महर्षि वाल्मीकि तथा नाना साहब की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित किये। मुख्यमंत्री जी वाल्मीकि रामायण पाठ में सम्मिलित हुए तथा सीता कुटिया व प्राचीन शिव मन्दिर में दर्शन-पूजन किया।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि महर्षि वाल्मीकि की तपोभूमि बिदूर आध्यात्मिक, सांस्कृतिक और ऐतिहासिक विरासत की अमूल्य धरोहर है। यह वही पवित्र धरती है, जहां महर्षि वाल्मीकि ने रामायण की रचना की, माता सीता को आश्रय मिला तथा लव-कुश का बाल्यकाल व्यतीत हुआ। इस भूमि ने 1857 के प्रथम स्वतंत्रता संग्राम मन्दिर का निर्माण, काशी विश्वनाथ धाम का पुनर्विकास, माँ विन्ध्यवासिनी धाम का सुन्दरीकरण, मथुरा-वृन्दावन का विकास, चित्रकूट धाम का पुनरुद्धार और प्रयागराज में दिव्य-भव्य महाकुम्भ का आयोजन इसी संकल्प के उदाहरण हैं। अब बिदूर की ऐतिहासिक और आध्यात्मिक विरासत को भी नया स्वरूप दिया जा रहा है। यहां घाटों का निर्माण एवं पुनरुद्धार, महर्षि वाल्मीकि आश्रम का सुन्दरीकरण, ब्रह्मावर्त घाट का विकास तथा स्वतंत्रता संग्राम के महानायकों से जुड़े स्मारकों के विकास हेतु कार्य किए जा रहे हैं।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि गत वर्ष इस पावन तिथि पर अवकाश घोषित करने के साथ प्रदेश के देव मन्दिरों में अखण्ड रामायण पाठ की जो श्रृंखला प्रारम्भ की गई थी, वह आज प्रदेश भर के हजारों मठ-मन्दिरों में श्रद्धा और आस्था के साथ आयोजित की जा रही है। महर्षि वाल्मीकि ने दुनिया के प्रथम महाकाव्य रामायण की रचना कर भगवान श्रीराम के आदर्शों को जन-जन तक पहुंचाया। रामायण केवल एक ग्रन्थ नहीं, बल्कि जीवन जीने की कला, पारिवारिक दायित्व,

भार्इचारे, पति-पत्नी के धर्म और राजा के प्रजापालन के कर्तव्य का मार्गदर्शन



करने वाला महाकाव्य है। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि महर्षि वाल्मीकि के जीवन से हमें यह शिक्षा मिलती है कि मनुष्य अपने कर्मों से महान बनता है। रत्नाकर से महर्षि वाल्मीकि तक की यात्रा पश्चाताप, साधना और आत्मपरिवर्तन की अद्भुत गाथा है। उनका जीवन प्रमाणित करता है कि दृढ़ संकल्प के बल पर कोई भी व्यक्ति अंधकार से प्रकाश की ओर बढ़ सकता है। भगवान श्रीराम के आदर्शों को देश और दुनिया तक पहुंचाने में महर्षि वाल्मीकि की रामायण की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। आज भी राम का नाम आते ही प्रत्येक भारतीय का सिर श्रद्धा से झुक जाता है। महर्षि वाल्मीकि ने रामायण के माध्यम से समाज को भगवान श्रीराम से जोड़ने का महान कार्य किया।

बिदूर की महता केवल धार्मिक दृष्टि से ही नहीं, बल्कि ऐतिहासिक दृष्टि से भी अद्वितीय है। मान्यता है कि ब्रह्मा जी ने इसी पावन प्रदेश भर के हजारों मठ-मन्दिरों में घाटों के निर्माण और पुनरुद्धार के साथ महर्षि वाल्मीकि आश्रम का विकास किया था। इसी भूमि ने महर्षि वाल्मीकि की तपस्या और ऋषियों की महान परम्परा को देखा है। अयोध्या की राजकुमारी माता सीता को आश्रय देकर इस धरती ने नारी सम्मान का आदर्श प्रस्तुत किया। जहां नारी की गरिमा का सम्मान होता है, वही भूमि तीर्थ बन जाती है। इसी भूमि

पर लव-कुश जैसे वीर बालकों ने अपने शौर्य और पराक्रम का परिचय दिया।



बिदूर का सम्बन्ध 1857 के प्रथम स्वतन्त्रता संग्राम के महानायकों नाना साहब पेशवा और तात्या टोपे से भी है। इसी धरती पर झांसी की रानी लक्ष्मीबाई ने अपने वचपन में घुड़सवारी और रत्नवागबाजी का अभ्यास किया था। आगे चलकर उन्होंने अंग्रेजों को चुनौती देते हुए अपनी झांसी न देने का संकल्प व्यक्त किया। बिदूर की यह भूमि भारतीय स्वाधीनता संग्राम की प्रेरणादायी स्मृतियों को संजोए हुए है।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि कानपुर में मेट्रो रेल की सुविधा उपलब्ध हो चुकी है। कानपुर के नागरिकों और जनप्रतिनिधियों की मांग पर हवाई अड्डे की सुविधा को आगे बढ़ाया गया है। कानपुर को लखनऊ से जोड़ने के लिए नए एक्सप्रेस-वे की सुविधा उपलब्ध हुई है। गंगा नदी पर ट्रांस गंगा क्षेत्र में नए पुल के निर्माण को स्वीकृति देकर कार्य आगे बढ़ाया गया है। कानपुर बाईपास का निर्माण हो रहा है। बिदूर में घाटों के निर्माण और पुनरुद्धार के साथ महर्षि वाल्मीकि आश्रम का विकास किया गया है। जिस मन्दिर में महर्षि वाल्मीकि ने साधना की और रामायण की रचना प्रारम्भ की, वह पहले जर्जर अवस्था में था। अब मन्दिर और आश्रम को भव्य स्वरूप प्रदान किया गया है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि बिदूर एवं बिल्हौर विधानसभा क्षेत्रों में विकास कार्यों को नई गति दी जा रही है। रामायण सर्किट के माध्यम से बिदूर की पहचान को विस्तार मिल रहा है। यहां घाटों, होमस्टे और हस्तशिल्प को नई पहचान देने के प्रयास किए जा रहे हैं। विकास परियोजनाओं के माध्यम से क्षेत्र में आधारभूत सुविधाएं मजबूत होंगी तथा पर्यटन, उद्योग और रोजगार के अवसर बढ़ेंगे। बिदूर की ऐतिहासिक पहचान को पुनर्स्थापित करने के लिए बिदूर महोत्सव प्रारम्भ किया गया है। इसके माध्यम से इस पावन भूमि की धार्मिक, सांस्कृतिक और क्रान्तिकारी विरासत को व्यापक पहचान मिल रही है।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि डबल इंजन सरकार अपनी विरासत पर गौरव की अनुभूति करती है और भारतभूमि, सनातन धर्म तथा महापुरुषों के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करना अपना दायित्व मानती है। महर्षि वाल्मीकि के प्रति श्रद्धा व्यक्त करने के लिए अयोध्या में उनके मन्दिर का निर्माण कराया गया। अयोध्या के अन्तरराष्ट्रीय हवाई अड्डे का

प्रधानमंत्री आवास योजना से यूपी में 42 लाख से अधिक परिवारों को मिला पक्का मकान

(जीएनएस)। लखनऊ, उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्रों के अभावसाहीन परिवारों को सुरक्षित और समाप्तजनक जीवन का आधार मिल रहा है। उत्तर प्रदेश में अब तक इस योजना के तहत 42 लाख से अधिक आवास उपलब्ध कराए जा चुके हैं, जबकि मुख्यमंत्री आवास योजना-ग्रामीण के तहत लगभग छह लाख आवास आवंटित किए गए हैं। उन्होंने कहा कि सरकार की प्राथमिकता प्रत्येक पात्र परिवार को आवास उपलब्ध कराना है, ताकि कोई भी जरूरतमंद परिवार इस सुविधा से वंचित न रहे।उप मुख्यमंत्री मंगलवार को लखनऊ स्थित हयात रीजेंसी में ग्रामीण विकास मंत्रालय, भारत सरकार की ओर से आयोजित दो दिवसीय प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण की क्षेत्रीय कार्यशाला के उद्घाटन अवसर पर बोल रहे थे। उन्होंने दीप प्रज्वलित कर कार्यशाला का शुभारंभ किया और लाभार्थियों को आवास स्वीकृति पत्र वितरित किए।केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में गरीब कल्याण को केंद्र में रखकर योजनाएं संचालित की जा रही हैं। इनका उद्देश्य समाज के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति तक विकास

नाम महर्षि वाल्मीकि के नाम पर रखा गया। अयोध्या में सन्त तुलसीदास जी



का मन्दिर भी बनाया गया है, जिन्होंने मध्यकाल में श्री रामलीला के माध्यम से रामायण को घर-घर तक पहुंचाया। अयोध्या में शबरी माता का मन्दिर भी है। भगवान श्रीराम के वनवास के समय उनके मित्र बने निषादराज के सम्मान में प्रयागराज के श्रृंगेरेपुर में भगवान श्रीराम और निषादराज की 56 फुट ऊंची गले मिलती प्रतिमा स्थापित की गई है, जिसे प्रयागराज के संगम क्षेत्र से भी देखा जा सकता है। यह प्रतिमा भगवान श्रीराम और निषादराज की मित्रता का प्रतीक है।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि महापुरुषों और ऐतिहासिक विरासत के सम्मान का कार्य लगातार आगे बढ़ाया जा रहा है। भदोही का नाम सन्त रविदास नगर भदोही किया गया। कन्नौज के मेडिकल कॉलेज का नाम पुनः बाबा साहब डॉ0 भीमराव आम्बेडकर के नाम पर किया गया। लखनऊ स्थित भाषा विश्वविद्यालय का नाम मान्यवर कान्शीराम जी के नाम पर रखा गया। इन निर्णयों के माध्यम से सन्त रविदास, बाबा साहब आम्बेडकर और अन्य महापुरुषों के प्रति सम्मान व्यक्त किया गया है।

प्रदेश में बाबा साहब डॉ0 भीमराव आम्बेडकर, सहृदु रविदास जी महाराज और भगवान महर्षि वाल्मीकि से जुड़े स्थलों का विकास किया जा रहा है। ऐसे लगभग 4,000 स्थलों पर बाउण्ड्रीवाल, छत की व्यवस्था, सुरक्षा के पुख्ता प्रबंध तथा सुदरीकरण के कार्य प्रारम्भ किए जाने की योजना है। प्रधानमंत्री जी के नेतृत्व में बाबा साहब आम्बेडकर से जुड़े पंचतीर्थों का विकास हो हुआ है। उन्होंने संविधान की प्रति को अपने सिर पर रखकर नए संसद भवन में स्थापित किया और संविधान के प्रति सम्मान का संदेश दिया।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि विरासत का सम्मान केवल स्मारकों और मन्दिरों के निर्माण तक सीमित नहीं है, बल्कि महापुरुषों के विचारों को जीवन में उतारना भी आवश्यक है। प्रदेश सरकार समता, न्याय और मानवता के आदर्शों को आगे बढ़ाते हुए समाज के शोषित, वंचित और पिछड़े वर्गों के उत्थान के लिए कार्य कर रही है। शिक्षा, रोजगार, सुरक्षा और जनकल्याण की योजनाओं का लाभ समाज के अन्तिम पायदान पर खड़े व्यक्ति तक पहुंचाने का प्रयास किया जा रहा है।

वर्तमान भारत में सांस्कृतिक गौरव और राष्ट्रीय स्वाभिमान को नई पहचान मिली है। महर्षि वाल्मीकि ने प्राचीन काल में रामायण की रचना कर भारत को भगवान श्रीराम से जोड़ा, मध्यकाल में गोस्वामी तुलसीदास ने रामायण की कथा को घर-घर तक पहुंचाया और वर्तमान समय में प्रधानमंत्री जी के नेतृत्व में अयोध्या में श्रीरामलला की प्राण प्रतिष्ठा ने देशवासियों की आस्था को नया गौरव प्रदान किया।

प्रधानमंत्री जी के नेतृत्व में अयोध्या का व्यापक विकास हुआ है। अयोध्या में प्रभु श्रीराम का भव्य मन्दिर निर्मित हो चुका है। अन्तरराष्ट्रीय हवाई अड्डा बन चुका है। वर्ष 2017 से पूर्व स्वच्छता जैसी बुनियादी सुविधाओं की स्थिति संतोषजनक नहीं थी। वर्तमान सरकार ने अयोध्या के विकास की कार्ययोजना बनाई, इसके परिणामस्वरूप आज अयोध्या भव्य और दिव्य स्वरूप में विकसित हो रही है।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि पहले काशी विश्वनाथ धाम में श्रद्धालु सीमित संख्या में दर्शन कर पाते थे, जबकि अब लगभग 20,000 श्रद्धालुओं के एक साथ दर्शन की सुविधा उपलब्ध है। काशी का कायाकल्प हुआ है। अयोध्या, मथुरा-वृन्दावन, चित्रकूट, माँ विन्ध्यवासिनी धाम, शुक्रतीर्थ और सारनाथ सहित प्रदेश के प्रमुख धार्मिक स्थलों में विकास किया जा रहा है। प्रयागराज में महाकुम्भ के माध्यम से प्रदेश की सांस्कृतिक विरासत और व्यवस्थागत क्षमता को परिचय दुनिया ने देखा है। बदलता प्रयाग और विकसित होता कानपुर परिवर्तन के उदाहरण हैं।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि पिछली सरकारों द्वारा प्रदेश में महापुरुषों के नाम और सम्मान से जुड़े कई निर्णय बदले गए थे।वर्ष 2012 में भदोही के सन्त रविदास नगर नाम को परिवर्तित किया गया, कन्नौज मेडिकल कॉलेज से बाबा साहब आम्बेडकर का नाम हटाया गया। लखनऊ के भाषा विश्वविद्यालय का नाम भी बदल दिया गया था। वर्तमान सरकार ने इन महापुरुषों के सम्मान को पुनः स्थापित किया है। सरकार का उद्देश्य है कि आने वाली पीढ़ियां अपने महापुरुषों, अपने स्वतन्त्रता संग्राम सेनानियों और सांस्कृतिक विरासत के बारे में जानें तथा उनसे प्रेरणा प्राप्त करें।

वीरांगना ऊदा देवी पासी के नाम पर लखनऊ, वीरांगना अवन्तीबाई लोधी के नाम पर बदायूं तथा गोरखपुर में वीरांगना झलकारी बाई कोरी के नाम पर पी0ए0सी0 की नई बटालियन का गठन किया गया है। लखनऊ में महाराजा बिजली पासी का भव्य स्मारक बनाया जा रहा है। उनके किले को नया स्वरूप प्रदान किया जा रहा है। जिन ऐतिहासिक स्थलों पर पहले कब्जे हो गए थे, उन्हें कब्जामुक्त कराकर उनका विकास किया जा रहा है। झांसी के किले में लाइट एण्ड साउण्ड कार्यक्रम के माध्यम से वीरांगना महारानी

लक्ष्मीबाई के शौर्य, पराक्रम और 1857 के प्रथम स्वतंत्रता संग्राम की गौरवगाथा नई पीढ़ी तक पहुंचाने का प्रयास किया जा रहा है।

गरीबों और वंचितों के अधिकारों की रक्षा तथा कानून का शासन सुनिश्चित करना प्रदेश सरकार की प्राथमिकता है। वर्ष 2017 से पूर्व प्रदेश में कानून-व्यवस्था की स्थिति अत्यन्त खराब थी। अब प्रदेश की कानून-व्यवस्था सुदृढ़ हुई है। आज विजयादशमी सहित विभिन्न पर्व-त्योहार शान्तिपूर्ण ढंग से सम्पन्न हो रहे हैं। गांवों, शहरों, वाडों और घरों में उत्साह तथा उल्लास का वातावरण है। भयमुक्त और तनावमुक्त वातावरण में सभी वर्गों के लोग त्योहारों में भागीदारी कर रहे हैं। यही रामराज्य की भावना है, जिसमें बिना भेदभाव के सभी को योजनाओं का लाभ मिले और प्रत्येक नागरिक सम्मान तथा सुरक्षा के साथ जीवन जी सके।

डबल इंजन सरकार ने विकास के साथ-साथ गरीबों के कल्याण के लिए अनेक योजनाएं संचालित की हैं। प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना के अन्तर्गत प्रदेश में लगभग 16 करोड़ लोगों को निःशुल्क राशन मिल रहा है। प्रधानमंत्री आवास योजना के अन्तर्गत प्रदेश में लगभग 65 लाख गरीब परिवारों को आवास उपलब्ध कराए गए हैं। आयुष्मान भारत वृन्दावन, चित्रकूट, माँ विन्ध्यवासिनी धाम, शुक्रतीर्थ और सारनाथ सहित प्रदेश के प्रमुख धार्मिक स्थलों में विकास किया जा रहा है। प्रयागराज में महाकुम्भ के माध्यम से प्रदेश की सांस्कृतिक विरासत और व्यवस्थागत क्षमता को परिचय दुनिया ने देखा है। बदलता प्रयाग और विकसित होता कानपुर परिवर्तन के उदाहरण हैं।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि क्षमता को परिचय दुनिया ने देखा है। बदलता प्रयाग और विकसित होता कानपुर परिवर्तन के उदाहरण हैं। पिछली सरकारों द्वारा प्रदेश में महापुरुषों के नाम और सम्मान से जुड़े कई निर्णय बदले गए थे।वर्ष 2012 में भदोही के सन्त रविदास नगर नाम को परिवर्तित किया गया, कन्नौज मेडिकल कॉलेज से बाबा साहब आम्बेडकर का नाम हटाया गया। लखनऊ के भाषा विश्वविद्यालय का नाम भी बदल दिया गया था। वर्तमान सरकार ने इन महापुरुषों के सम्मान को पुनः स्थापित किया है। सरकार का उद्देश्य है कि आने वाली पीढ़ियां अपने महापुरुषों, अपने स्वतन्त्रता संग्राम सेनानियों और सांस्कृतिक विरासत के बारे में जानें तथा उनसे प्रेरणा प्राप्त करें।

वीरांगना ऊदा देवी पासी के नाम पर लखनऊ, वीरांगना अवन्तीबाई लोधी के नाम पर बदायूं तथा गोरखपुर में वीरांगना झलकारी बाई कोरी के नाम पर पी0ए0सी0 की नई बटालियन का गठन किया गया है। लखनऊ में महाराजा बिजली पासी का भव्य स्मारक बनाया जा रहा है। उनके किले को नया स्वरूप प्रदान किया जा रहा है। जिन ऐतिहासिक स्थलों पर पहले कब्जे हो गए थे, उन्हें कब्जामुक्त कराकर उनका विकास किया जा रहा है। झांसी के किले में लाइट एण्ड साउण्ड कार्यक्रम के माध्यम से वीरांगना महारानी

इस अवसर पर महिला कल्याण राज्य मंत्री श्रीमती प्रतिभा शुक्ला, सांसद श्री रमेश अवस्थी, विधान परिषद सदस्य श्री अरुण पाठक, श्री अविनाश सिंह चौहान, श्री मानवेन्द्र सिंह, कानपुर नगर की महापौर श्रीमती प्रमिला पाण्डेय, विधायक श्री अमिर्जीत सिंह सांगा, श्री मोहित सोनकर, श्रीमती नीलिमा कटियार, श्री महेश त्रिवेदी सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

पीलीभीत मेडिकल कॉलेज में खुले में फेंका मिला मेडिकल कचरा

खून से सनी पट्टियां और एनएस की बोतलें मिलने से मचा हड़कंप, उप प्राचार्य ने दिए जांच के आदेश (जीएनएस)।

पीलीभीत। राजकीय मेडिकल कॉलेज में मेडिकल कचरे के खुले में फेंके जाने का मामला सामने आने से अस्पताल की व्यवस्थाओं पर सवाल खड़े हो गए हैं।

परिसर में खून से सनी पट्टियां और नॉर्मल सलाइन (एनएस) की बोतलें मिलने से संक्रमण फैलने की आशंका जताई जा रही है। मामले की गंभीरता को देखते हुए मेडिकल कॉलेज प्रशासन ने जांच कराने के निर्देश दिए हैं।

जानकारी के अनुसार, अस्पताल परिसर में कचरे के ढेर में मरीजों के उपचार में इस्तेमाल की गई खून से सनी पट्टियां और एनएस की बोतलें पड़ी मिलीं।



बायोमेडिकल वेस्ट मैनेजमेंट नियमों के तहत अस्पतालों से निकलने वाले जैव चिकित्सा अपशिष्ट का निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार सुरक्षित निस्तारण किया जाना आवश्यक है।

ऐसे कचरे को खुले में फेंकना

धार्मिक आयोजन को लेकर क्षेत्र में उत्साह बना हुआ है और आश्रम में

भक्ति व धार्मिक गतिविधियों का सिलसिला जारी है।

आने की आशंका रहती है। इस घटना ने अस्पताल में मेडिकल कचरे के प्रबंधन और साफ-सफाई की व्यवस्था पर भी सवाल खड़े कर दिए हैं।

जांच के बाद होगी कार्रवाई
मामला सामने आने के बाद मेडिकल कॉलेज प्रशासन ने संज्ञान लिया है। उप प्राचार्य डॉ. अरुण कुमार ने बताया कि प्रकरण की जांच कराई जाएगी। उन्होंने कहा कि जांच में लापरवाही सामने आने पर जिम्मेदार लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

अब यह देखना महत्वपूर्ण होगा कि जांच में मेडिकल कचरे के खुले में फेंके जाने के लिए कौन जिम्मेदार पाया जाता है और अस्पताल प्रशासन भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के लिए क्या कदम उठाता है।